निवाला

एक कोशिश

स्मारिका - 10 फरवरी 2017

पुसर्ला वेंकटा सिंन्धु

पुसर्ला वेंकटा का जन्म 5 जुलाई 1995 को एक तेलगु परिवार में पी.वी. रमण और पी. विजया के यहाँ हुआ। पुसर्ला जी ने बेडमिंटन खेलना आठ साल की उम्र में शुरू किया वो रोज 56 किलोमीटर का रस्ता तय कर अपने अभ्यास के लिए कोचिंग जाया करती थी। पुसर्ला जी के परिवार में उनके पिताजी को सन् 2000 में अर्जुना अवार्ड से नवाज़ा गया था। अपने अच्छे खेल प्रदर्शन के लिए उनके पिताजी के एक व्यवसायिक वॉलिवाल खेलने के बावज़ूद पुसर्ला ने बेडमिंटन खेल चुना। बेडमिंटन खेल उन्होंने पुलेला गोपीचन्द से प्रभावित होकर चुना जिन्होंने सन् 2001 में आल इंग्लैंड ऑपन चैम्पियनशिप को जीता था। एक अच्छा बेडमिंटन खिलाडी बनने के लिए कठोर मेहनत लगन और इच्छाशक्ति की आवश्यकता होती है, ये संवाद ''द हिन्दु'' में छपा जिसका गोपीचन्द ने उस संवाददाता की राय का समर्थन किया और जब उन्होंने कहा की सिन्धु को जो बात अलग बनाती है, वो उनका रवैया और हार न मानने की भावना। सन् 2013 में वे पहली महिला बनी जिन्होंने बेडमिंटन वर्ल्ड चैम्पियनशिप में पदक हासिल किया। मार्च, 2015 में उन्हें पद्म श्री अवार्ड से नवज़ा गया, जो कि एक ऐतिहासिक पल था, जिसमें कि इतनी कम आयु की महिला को इस अवार्ड से नवाज़ा गया हो। सन् 2016 में उन्होंने अपनी मेहनत से रजत पदक हासिल किया ओलम्पिक में। और वो बनी पहली भारतीय महिला जो कि ओलम्पिक बेडमिंटन के अंतिम चरण तक पहुँची।

साक्षी मलिक

साक्षी मलिक पहली भारतीय महिला पहलवान है पदक जीतने वाली और चौथी महिला ओलम्पिक पदक विजेता है। समर ओलम्पिक 2016 के अन्तर्गत उन्होने कांस्य पदक जीता 58kg. फ्रीस्टाइल केटेगरी में। साक्षी मलिक 2014 कामनवेल्थ गेम्स में ग्लासगो मे रजत पदक विजेता रह चुकी है और कांस्य पदक विजेता 2015 में एशियन चैंम्पियनशिप के अन्तर्गत। मलिक का जन्म 3 सितम्बर, 1992 में हरियाणा के मोखरा गाँव में एक बस कन्डक्टर सुखबीर जी के यहाँ हुआ। उनके पिताजी का कहना है कि साक्षी को पहलवानी का शौक अपने दादाजी बधलुराम जी से लगा जो कि खुद एक पहलवान थे। अपनी पहलवानी का प्रशिक्षण साक्षी ने 12 साल की उम्र में अपने गुरू ईश्वर दाहिया के साथ अखाडे में छोटू राम स्टेडियम रोहतक में शुरू किया था। साक्षी और उनके गुरू दोनों को काफ़ी विद्रोह का सामना करना पडा। गाँव वालों का कहना था, कि ये खेल लडकियों के लिए नहीं है। मलिक अभी इण्डियन रेलवे के कमर्शियल डिपार्टमेन्ट में देहली क्षेत्र में कार्यरत है। और JSW Sports Exceunece प्रोग्राम का हिस्सा है। उनके रजत पदक विजेता होने की वजह से उन्हें प्रमोशन दिया गया, सीनियर कर्ल्क से राजपत्रित अधिकारी रैंक के लिए। साक्षी ने अपनी मास्टर डिग्री फिजीकल एज्युकेशन में महर्शी दयानंद युनिवर्सिटी रोहतक से उत्तीर्ण की। सितम्बर 2016 में उन्हे युनिवर्सिटी का रेसलिंग डायरेक्टर नियुक्त किया गया।

पंखुड़ियाँ इस पुष्प की

कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट
निवाला एक कोशिश
स्मारिका -10 फरवरी 2017

प्रार्थना (Vedic Prayer)

यहां यजन्तु मम यानि हव्याऽ कूतिः सत्या
मनसो में अस्तु।
एनो मा नि गां कतमच्यनांह विश्वे देवासो
अधि वोचता नः।।

ऋग्वेद

May Gods bless me that I may get my
rightful due in my life;
that my mind should
follow the path of truth;
that no affliction should even touch me.

प्राप्य जो मेरा, मुझे वह प्राप्त होवे,
और जो मेरा मन रहे सत्यानुगामी;
पाप मुझको छू न पाये कभी कोई,
मानसिक, वाचिक, शरीरी।
देवता सब मुक्त स्वर से दें मुझे आशीष अपना।

संरक्षक व प्रधान सम्पादक:
देवेन्द्र शर्मा
मुख्य सम्पादक
सुरेन्द्र कुमार शर्मा
सम्पादन
सुनील माथुर
सह-सम्पादक
मदन चौधरी
सम्पादन सहयोग
इन्द्रजीत शर्मा
वरूण शर्मा
ग्राफिक डिजाईनर
हिमांशु जाँगिड़

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ सं.	विषय	पृष्ठ सं.
बेटियाँ	2	नेत्र जाँच व मोतियाबिंद ऑपरेशन	15
पंखुड़ियाँ इस पुष्प की	3	ट्रस्ट के सेवा प्र:कल्प	16
अपनों से अपनी बात	4	निवाला सेवा आश्रम	17
कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट, एक नज़र में	5	प्रेरणादायक कहानियाँ	18
संकल्पना व प्राथमिकता	6	दान सहयोग के लिए आपके प्रति आभार	19
निवाला	7	ट्रस्ट के भामाशाह	20
निवाला स्मार्ट किचन	8	ट्रस्ट के साधक	21
निवाला किचन उपकरण	9	ट्रस्ट की कार्यकारिणी	22
सँवारे बचपन	10	आप श्री से सहयोग की अपेक्षा	23
बालिका सहयोग	11	अख़बार की नज़र से	24
सहायता की प्रतिक्षा में	12	श्रद्धांजलि	25
गीता सार	13	पत्रिका सहयोगी	26
सफाई अभियान	14	एक सुप्रसिद्ध व्यक्ति की कहानी	27

Certificate No. : IN-DL371430966795700

कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट
नई राह - नई दृष्टि..!, ज्ञान वही - वही सृष्टि..!!

रजि ऑफिस : जी 1, कृष्णा विला, प्लाट न:113, आदिनाथ नगर, सिरसी रोड़ जयपुर - 302012 (राज.)
ब्रांच ऑफिस : 155, माँ हिंगलाज नगर-बी, गाँधीपथ रोड़ पश्चिम, वैशाली नगर, जयपुर-302021 (राज.)
+91-7231-8888-00 / 11 / 22 / 33
info@kbctindia.org https://www.facebook.com/KamlabaiCharitableTrust
www.kbctindia.org | YouTube kbct

अपनों से अपनी बात

पूज्यनीय पिताश्री स्व.श्री राधेश्याम जी शर्मा के पावन स्मृति में

जाने से पहले मेरे पिताजी हमेशा कहा करते थे, कि भगवान ने आपको जो कुछ भी दिया है, उसे उनके साथ भी साझा करो,जिन्हें इसकी आपसे भी ज्यादा जरूरत है और इसीलिए घर में जो भी भोजन बनता था, उसे पिताजी पहले जरूरतमंदो को बांटते थे फिर स्वयं ग्रहण करते थे। कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट उनकी इसी प्रेरणा का जन्म है। उन्हें नमन करते हुऐ मैं भी उसी पथ पर चल पड़ा हूँ।

आपके स्नेहशील आशीर्वाद की छत्रछाया में
आपका सुपुत्र
देवेन्द्र शर्मा

देवेन्द्र शर्मा (संस्थापक)

जय श्री कृष्णा...

कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट की स्थापना होने के बाद, जब मैं सोच रहा था कि ग़रीब-असहाय, भूखे-नि:शक्त लोगों की मदद का सिलसिला कहाँ से शुरू करूँ तभी मेरे साथ एक घटना घटी, उस दिन मैं अपने घर में बैठा सोच रहा था तभी मुझे बाहर के दरवाज़े को खटखटाने की आवाज़ सुनाई दी। मैं उठकर बाहर के दरवाज़े पर गया, वहाँ एक फटेहाल आदमी खड़ा था, मैंने पूछा क्या चाहिये? उसने कहा साहब भूखा हूँ अगर हो सके तो रोटी खिला दो, मैंने कहा रूको देखता हूँ ये कहकर मैं अन्दर आया, रसोई टटोली पर वहाँ रात की दो रोटी के सिवा कुछ नही था, मैं वापस बाहर आया और उसे 30/-रू देकर कहा ये लो पैसे, बाहर एक ढ़ाबा है वहाँ खा लो। उस आदमी ने पैसे लिये और दुआऐ देता हुआ चला गया। मैं अन्दर आकर उस आदमी के बारे मे सोचने लगा, क्या ऐसे लोग भी हैं, जिनके पास खाने के लिए एक वक़्त की रोटी भी नहीं है। कुछदेर मैं सोचता रहा फ़िर न जाने क्यूं मैं उठकर उस ढ़ाबे तक जा पहूँचा, मैंने देखा वो आदमी खाना खा चूका था। मुझे देखकर वो मेरे पास आया और बोला ''साहब ये 9/-रू बच गये'' वो मुझे वापस देने लगा। मैंने कहा, तुमने 21/-रू में भरपेट खाना खा लिया ? वो बोला हां साहब, उसने 9/-रू मेरे हाथ में रखे और चला गया। मैं उसे जाते हुए देखता रहा। 9/-रू के उन सिक्कों को मैंने मुठ्ठी में कसकर दबा लिया, बस यहीं से जन्म हुआ निवाला योजना का 21/-रू और एक आदमी के लिए, एक वक़्त की रोटी ।

आपकी कमाई का एक मामूली सा हिस्सा किसी के जीवन का निवाला बन सकता है
प्रयास हमारा सहयोग आपका

"Everything in your life is a reflection of choice you have made.
If you want a different result, make a different choice"

Be The Change

कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट, एक नज़र में

करूणामयी माँ संत श्री कमलाबाई

हे ईश्वर...।
मुझे अधिक लेने के नहीं,
अधिक देने के योग्य बनाओं।।

इन्सानियत कहो या मानवता दोनों ही एक भाव के दो नाम हैं। प्राचीन काल से ही ऋषि-मुनियों द्वारा लोगों को परोपकार करने के लिए कहा जाता है, वही मनुष्य परोपकार कर सकता है, जिसके अंदर इन्सानियत या मानवता का गुण विद्यमान होता है। जो मनुष्य किसी अन्य प्राणी को कष्ट में देख कर दु:खी हो जाए और उसके हित के लिए कार्य करने को प्रेरित हो, उसे मानवता कहा जाता है। मानवता की कोई परिधि या सीमा नहीं है, एक चीटी के पैर के नीचे कुचल जाने से लेकर देश के लिए जान देने तक आने वाले हर भाव का नाम मानवता है। ये वो गुण है जिसके कारण पृथ्वी रहने योग्य है। इसी विचार के तहत उदय हुआ कमला बाई चेरिटेबल ट्रस्ट का, ट्रस्ट की सोच में सबसे पहले है मानव सेवा क्योंकि मानव सेवा ही सबसे बडी सेवा है, सबसे बडा धर्म है। हमें अपना पूरा जीवन मानव सेवा में लगा देना चाहिऐ, जो लोग भूखे है उन्हें खाना खिलाना और जो लोग प्यासे है उन्हें पानी पिलाना ही मानव धर्म है। पुराने ज़माने में ऐसे बहुत से लोग थे जो दुसरों को खाना खिलाने के लिए सब कुछ अर्पित कर देते थे, वो अपना पेट खाली रखकर भी दूसरों का पेट भरते थे, वो जानते थे कि मानव सेवा ही सच्ची सेवा है। कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट असहाय व ग़रीबों की मदद करने का संकल्प ले चुका है, अगर किसी भी भूखे-प्यासे, निर्बल, विकलांग को मदद की ज़रूरत है, तो ये ट्रस्ट का पहला कर्त्तव्य होगा की उसकी मदद करें क्योकि मानव में ही ईश्वर वास करते हैं और भगवान भी यही चाहते है कि लोग एक-दुसरे की मदद करें।

कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट

संकल्पना

कमलबाई चेरिटेबल ट्रस्ट के उद्भव में यह संकल्पना निहित है कि इन्सानियत व मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है। कहते है दुनिया में कोई शक्ति नही हैं जो इन्सान को गिरा सके, इन्सान- इन्सान द्वारा ही गिराया जाता है। दुनिया में ऐसा नही है कि सभी बुरे है, इस जगत मैं अच्छे बुरे लोगो का संतुलन हैं। मुंशी प्रेमचन्द ने कहा था कि जहाँ 100 में से 80 लोग भूखे मरते है वहाँ लोग विलासिता पर हज़ारों-लाखों रूपये पानी की तरह बहा देते है। यदि किसी भूखे को रोटी दे दी जाए तो भूखे की आत्मा तृप्त देखकर जो आनन्द प्राप्त होगा वही सच्चा सुख है। आज मानव स्वार्थ की पट्टी के कारण अंधा होता जा रहा है। मानवीय मूल्यों का पतन होता जा रहा है। प्रत्येक मानव की सहायता करना ही हमारा प्रथम कर्तव्य होना चाहिये भगवान के पास हर चीज का लेखा-जोखा है। इसीलिए किसी को दुखी नहीं करना चाहिये। ईश्वर की लाठी जब पड़ती है तो उसकी आवाज़ नहीं होती ईश्वर इस धरा के कण-कण में विद्यमान है। मानव सेवा ही नारायण सेवा है, ये अटल सत्य है।

कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक श्री देवेन्द शर्मा का मानना है कि ईश्वर ने जिन्हें दूसरों की तुलना में अधिक दिया है तो सिर्फ इसलिए कि उन्हें विश्वास है कि वो इसे दूसरों के साथ साझा करेगें, उनका मानना है कि कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट केवल एक संस्थान ही नहीं अर्थात एक सोच है जो भारत को सशक्त बनाने में अपना अहम् योगदान देना चाहती है।

प्राथमिकता

कोई भी भुखा ना सोऐ (निवाला)

भारत में कितने लोग रोज भूखे पेट सोते हैं। आपको ये जानकर दुख: होगा कि भारत में कम से कम 50 करोड़ लोग ग़रीबी रेखा के नीचे है यानि उन्हें रोज भर पेट भोजन नहीं मिलता।अगर उन्हें सूखी रोटी मिल जाये तो वही बहुत है। कमला बाई चेरिटेबल ट्रस्ट की सबसे पहली प्राथमिकता यही है कि सम्पूर्ण भारत में कोई भी भुखा न रहे। सिर्फ सोचने भर से तो कोई भूखा नहीं रहेगा, उसके लिए कहीं ना कहीं से तो शुरूआत करनी ही होगी और इस की शुरूआत कमला बाई चेरिटेबल ट्रस्ट ने ''निवाला'' एक कोशिश के नाम से 20 जुलाई 2016 को जयपुर के सबसे बड़े सवाई मानसिंह हॉस्पिटल के बांगड़ गेट पर, दूर दराज से अपनों का इलाज कराने आये उनके परिजनों के लिए नि:शुल्क भोजन व्यवस्था प्रारम्भ कर दी।

कोई बेटी अनपढ़ ना रहें (सँवारे बचपन)

आधुनिकता की इस अंधी दौड में नारी को अबला नहीं सबला बनाकर सशक्त करना है विवेकानन्द जी ने कहा था कि जब तक स्त्रियों की दशा सुधारी नहीं जायेगी तब तक संसार में समृद्धि की कोई संभावना नहीं है, पक्षी एक पंख से कभी नहीं उड़ पाता। आने वाले कल में नारी के लिए निर्भय और स्वछन्द वातावरण का निर्माण और आधुनिकता के परिवेश में वैचारिक समानता तभी हो पायेगी, जब हम हमारी बेटियों को पढ़ायेगे लिखायेगे। कमला बाई चेरिटेबल ट्रस्ट ने अपनी संकलपना में प्राथमिकता दी है बेटियों को पढ़ाने की, ट्रस्ट की ''सँवारे बचपन'' योजना के अन्तर्गत उन बेटियो को पढ़ाया जायेगा जिनका परिवार आर्थिक रूप से कमज़ोर है और उन्हे पढ़ाने में असक्षम है। यही ट्रस्ट की दूसरी प्राथमिकता है।

कहीं भी गंदगी ना रहें (सफ़ाई अभियान)

अभी हाल ही में नई सरकार सत्ता में आई और उसकी मुख्य प्राथमिकता भारत को स्वच्छ करने में हैं और इसी लक्ष्य को लेकर एक अभियान शुरू हुआ जिसका नाम है ''स्वच्छ भारत अभियान'' इस अभियान को सफल बनाने के लिए बड़ी-बड़ी हस्तियाँ भी खुद सड़कों को साफ कर अपनी सक्रिय भुमिका निभा रही है, ये अभियान केवल सरकार का कर्तव्य नहीं बल्कि राष्ट्र को स्वच्छ बनाने की ज़िम्मेदारी इस देश के सभी नागरिकों की है। कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट ने 'स्वच्छ भारत अभियान' में अपनी सक्रिय भूमिका अदा करना प्रारम्भ कर दिया है इस अभियान को ट्रस्ट के 200 से ज्यादा युवा, गतिशील और उर्जावान साधकों ने अपनी रोज़मर्रा की ज़िन्दगी में अपना लिया है ये ट्रस्ट की तीसरी प्राथमिकता है।

आपश्री भी ट्रस्ट का सहयोग करें यही आपसे अनुरोध है

''निवाला'' एक कोशिश योजना के अन्तर्गत नि:शुल्क भोजन वितरण

न जाने कितने ही लोग दूर दराज व ग्रामीण क्षेत्रों से अपने प्रियजनों का इलाज़ कराने जयपुर के सबसे बडे हॉस्पिटल एस. एम. एस. में आते है। उनमे से कुछ चेहरे ऐसे भी होते है जिनके चेहरो पर उभरी हुई झुरियों और आँखों मे बेबसी की गहराईयाँ इनके जीवन संघर्षो को साफ़-साफ़ बया कर रही होती है। अस्पताल आने के बाद ये परिजन अपने आप को निपट अकेला पाते है, रात को आसरा ढूंढते हुए कुछ परिजनों के पास तो भरपेट भोजन का ठिकाना भी नहीं होता, ऐसे में कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट इन ग़रीब असहाय और भुखे लोगों को ''निवाला'' योजना के तहत प्रतिदिन साय: 6.30 बजे नि:शुल्क शुद्ध घर जैसा भोजन उपलब्ध करवा रहा है।

''निवाला'' में हमारा ये प्रयास ज़रूरतमंद लोगों के लिए बहुत बड़ा सहारा बन रहा है। आने वाले कल में असीमित लोगों के लिए हमारा ट्रस्ट भोजन व्यवस्था करवा पायेगा ऐसा हमें पूर्ण विश्वास है, और एक दिन ऐसा भी आयेगा जब कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं सोयेगा, और ये तभी संभव है जब आप सभी पुण्यशील, दानवीर, भामाशाहों और करूण हृदय हितेशीयों का साथ कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट के साथ रहेगा।

''विचार लो कि मृत्यु हो, न मृत्यु से डरो कभी। मरो परन्तु यूं मरो, कि याद तो करे सभी।।
हुई न यूं सुमृत्यु तो, वृथा जिये वृथा मरे। पशु प्रवृति है यही कि, आप आप ही चरे।
मनुष्य वृत्ति है यही कि और के लिए मरे।''

निवाला स्मार्ट किचन

प्रस्तावित निवाला किचन

हमेशा बड़े सफ़र की शुरूआत एक छोटे से क़दम से ही होती है, ऐसे ही एक बड़े सफ़र की छोटी सी शुरूआत का एक छोटा- सा क़दम कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट ने भी आगे बढ़ा दिया है, जिसका नाम है ''निवाला'' एक कोशिश।

इस योजना के अर्न्तगत हर दिन शाम 6:30 बजे एस. एम. एस अस्पताल के बांगड़ प्रवेश द्वार पर सो लोगों के लिए नि:शुल्क भोजन वितरण किया जाता है। धीरे-धीरे ''निवाला'' योजना को जयपुर शहर के विभिन्न अस्पतालों में प्रारम्भ करने का प्रयास निरन्तर जारी है। जिसके लिए कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट को अपनी ही एक रसोई (निवाला स्मार्ट किचन) की आवश्यकता महसुस हो रही है, अगर ट्रस्ट का अपना रसोईघर होगा, तो ट्रस्ट शुद्ध घर जैसा स्वादिष्ट भोजन ज़रूरतमंदों तक पहुँचाने में सक्षम हो जायेगा, एवं इस भोजन को ज़रूरतमंदों तक पहुँचाने के लिए एक डिलीवरी-वैन की भी आवश्यकता है, जो जयपुर शहर के विभिन्न भागों में समय पर ज़रूरतमंदों को भोजन पहुँचा सके।

इसके लिए संस्थान आपश्री को सहयोग के लिए आंमत्रित करता है। आप आगे आयें और इस पुण्य कार्य के सहभागी बनें। इसके लिए ट्रस्ट हमेशा आपका आभारी रहेगा तथा आप हमेशा सम्मान के अधिकारी रहेंगे।

" We make a livind by what we get ...
But we make a life by what we give"

- winston churchill

निवाला स्मार्ट किचन

निवाला किचन के लिए आवश्यक उपकरणों की सूची

Photo	Item	Rate/Piece
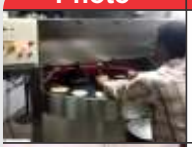	Roti Maker	Rs. 3,50,000/-
	Aatta Maker	Rs. 52,000/-
	Dry Pulveriser	Rs. 22,000/-
	2 Burner Bhatti	Rs. 33,000/-
	2 Buffer Plate	Rs. 50,000/-
	Thali Packing Machine	Rs. 31,500/-
	Ro 50 Ltr.	Rs. 50,000/-
	Deep Fridge 500 Ltr.	Rs. 28,500/-
	Bhaji Cutting Machine	Rs. 20,500/-
	Delivery VAN	Rs. 6,50,000/-

Photo	Item	Rate/Piece
	Working Table	Rs. 14,000/-
	Kitchen Upper 6 Shelves	Rs. 31,000/-
	Wash Basin	Rs. 20,500/-
	6 Stool For Working	Rs. 21,000/-
	Masala Tray	Rs. 3,500/-
	Ducting Unit	Rs. 18,500/-
	Exhaust Moter & Chimney	
	5 Storing Pot	
	12 SS Drum 5 kg	Rs. 6,750/-
	Kitchen Pot	Rs. 55,000/-

आपश्री इन किचन उपकरणों में से कोई भी एक उपकरण निर्धारित कर सहयोगी बन सकते हैं।
आपश्री सम्पूर्ण किचन का व्यय (7,51,000/-) वहन कर अपने किसी प्रिय के नाम को निवाला किचन के साथ जोड़ सकते हैं।
आपश्री डिलिवरी वैन (6,50,000/-) को ट्रस्ट में दान कर गरीब, मजबूर, असहाय व भूखे लोगों को भोजन कराने में सहायता करके उनकी दुआओं का पुण्य कमा सकते हैं। ट्रस्ट हमेशा आपका आभारी रहेगा तथा आप हमेशा सम्मान के हकदार रहेंगे।

साबुनी बाई

मैं अपने लिए कुछ नहीं मांग रही हूँ।

साबुनी बाई का कहना है कि मैं अपने लिए कुछ नहीं मांग रही हूँ। आज से चार साल पहले साबुनी (30साल) के शराबी पति की मौत होने के साथ ही उस पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा ससुराल वालों ने इस दुर्घटना का कारण भी साबुनी के माथे पर ही मढ़ दिया और अपने पुत्र का दाह-संस्कार तक करने से मना कर दिया पेट में एक बच्ची पाल रही साबुनी ने बड़ी मुश्किल से पडोसियों की सहायता से पति की अत्येष्ठी करवाई। अब दो बच्चियों की माँ साबुनी को कोई मदद नहीं मिल रही है। बदहवास हो साबुनी एक बारगी तो बच्चियों समेत तालाब में डूब कर मरने की सोचनें लगी, फिर सोचा कि बेचारी इन छोटी-छोटी बच्चियों का क्या कसूर ? सो साबुनी बाई ने इन बच्चियों की खातिर जीना मंजूर कर लिया । अब वही 7-8 घरों में घरेलू कार्य करके जैसे-तैसे बच्चों को पाल-पोस रहीं है, कई बार बेटीयों को नहीं पढ़ा पाने की मजबूरी उसे अन्दर ही अन्दर कचोटती रहती है, सोचती है कि काश उसके पति जिन्दा होते कम से कम इन बच्चियों को किसी चीज का मोहताज तो नहीं होना पड़ता, इन्हे रूखी-सुखी रोटी तो नही खानी पड़ती साबुनी बाई टूट सी गई पर बेटियों के लिए तो उसे मज़बूत बनना ही था। आज भी साबुनी इसी उम्मीद के सहारे जिये जा रही है कि एक दिन बेटियों को बड़ा कर उन्हे अपने पैरों पर खड़ा कर दूँ, फिर शादी करवानें के बाद ही दम छोडुँगी। साबुनी के इस बुरे समय में कमला बाई चेरिटेबल ट्रस्ट की योजना ''सँवारे बचपन'' ने साबुनी की दोनों बच्चियों को गोद ले लिया और ट्रस्ट द्वारा मासिक सहायता (2000/-) से अब साबुनी उन्हे पढ़ा भी रही है और उनकी ज़रूरतों को भी पूरा करी रही है। साबुनी बाई का दान-दाताओं से विनम्रता पूर्वक कहना है कि वह अपने लिए कुछ भी नही मांग रही, बस सिर्फ़ बेटियों को पढ़ा कर पैरों पर खड़ा होने तक मदद करें।

आपकी थोडी-सी मदद सँवार सकती है साबुनी बाई की दोनों बेटियों का बचपन
सहयोग करें

बालीका सहयोग – सँवारे बचपन

मुस्कान जाँगिड, पिता स्व. उमेश जाँगिड, माता सुशीला जाँगिड
राजकीय उच्च माध्यमिक स्कुल
नांगल पुरोहितान, राजावास

मुस्कान जाँगिड कक्षा 6 की छात्रा है। इसके पिताजी की चार साल पहले हार्ट अटेक से मौत हो गई, परिवार में आय का जरिया पूर्ण रूप से समाप्त हो गया और मुस्कान की पढ़ाई भी छूट गई। कमला बाई चेरीटेबल ट्रस्ट ने मुस्कान का हाथ थामा ''सवारे बचपन'' योजना के माध्यम से मुस्कान को स्कूल से जोड़ा और आर्थिक सहायता दी। आज मुस्कान पुनः अपनी पढ़ाई कर रही है।

मीनाक्षी चावला, माता मायादेवी चावला
गाँव नांगल जैसा बौहरा, झोटवाड़ा

मीनाक्षी चावला के पिताजी उनको व उनके माता जी मायादेवी चावला को इस दुखः भरी दुनिया में अकेला छोड़ कर चले गये, लेकिन माता जी मायादेवी ने हिम्मत नहीं हारी और मेहनत, मज़दूरी, बेलदारी करके अपनी बेटी को पढ़ा लिखा कर डॉक्टर बनाने की ठान रखी है। लेकिन इतनी कमाई नहीं होती, बस घर खर्च ही मुश्किल से चला पाती है पर बेटी को डॉक्टर बनाने का सपना अधूरा है। कमलाबाई चेरीटेबल ट्रस्ट ने ''सँवारे बचपन'' योजना के माध्यम से मीनाक्षी चावला का हाथ थामा और आर्थिक सहायता देकर विश्वास दिलाया कि जब तक मीनाक्षी अपने सपने साकार नही करती तब तक कमलाबाई चेरीटेबल ट्रस्ट उसके साथ है और एक संरक्षक की तरह उनका सम्पूर्ण खर्च उठायेगा। आज मीनाक्षी लगातार अपने सपनों की तरफ अग्रसर हो रही है।

मीरा भाखर, पिता स्वः श्री भागचन्द जी भाखर
माता स्वः श्रीमती राधा भाखर
राजकीय माध्यमिक विद्यालय, नांगल पुरोहितान, राजावास

मीरा भाखर के पिताजी का हार्टअटेक से तीन साल पहले निधन हो गया और अपने पति के ग़म मे माता राधा देवी भी बीमार रहने लगी जिसकी वजह से उन्हें केन्सर हो गया है और कुछ समय इलाज के बाद माता राधादेवी भी मीरा और तीन और भाई-बहिनों को छोड कर चली गई, अब सभी बच्चें मौसी के पास रहते है लेकिन मौसी के पास भी आय का स्त्रोत नहीं है, बस एक छोटा-सा खेत का टुकड़ा है जिससे छोटी-मोटी आय होती है जिससे पढ़ाई तो दूर गुजारा भी मुश्किल से हो पाता है। मीरा का कहना है कि अगर मेरी थोड़ी भी सहायता हो जाये, तो मैं पढ़लिख कर कुछ बन जाऊगीं। फिर मैं अपने सभी भाई-बहिनों को और परिवार को सम्भाल लूगीं।

आयुषी कँवर माता श्रीमती सन्तोष कँवर
सामौता सी. से. स्कुल

आयुषी कँवर कक्षा-2 की छात्रा है इनके पिताजी का क़रीबन 4 साल पहले निधन हो गया और फिर उनके जाने के बाद परिवार का पालन-पोषण मुश्किल हो गया, जिसके लिए माता सन्तोष देवी को लोगों के घर मे झाड़ू-पोंछा का काम करना पड़ा फिर भी वह अपने बच्चों की पढ़ाई पूरी नहीं करवा सकी। इस स्थिति में उनकी बेटी आयुषी कँवर का हाथ कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट ने थामा और आर्थिक सहायता देना शुरू किया व विश्वास दिलाया कि जब तक आयुषी अपने सपनों को साकार नहीं कर लेती तब तक कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट उसके साथ है और एक संरक्षक की तरह आयुषी का खर्च उठायेगा। अब आयुषी अपने सपनों को साकार करने के लिए आगे बढ़ रही है।

सहायता की प्रतिक्षा में

उजाला चौहान	पायल बैरवा	भाग्य श्री अटोलिया	मनीषा प्रजापत
आरती सिंह	महक सैन	करिश्मा कुमारी	गोदावरी शर्मा
सोमवती पांडये	सपना बुनकर	कमलेश दरोगा	आकांशा काला
काजल	चंचल	आरती हरिजन	आरती कंवर
पायल मोर्य	पायल बुनकर	मन्दोदरी वर्मा	निशा वर्मा
पूजा कुमारी	रीना राठौड़	पल्लवी सैन	लक्षिता वर्मा
मोनिका रैगर	आयुषी शर्मा	ज्योति कासोदिया	हंसा कुमावत
कविता कुमारी	माया सोनी	कमलेश सैन	तमन्ना सिंह
गुड़ीया कुमारी	प्रिति भाटी	मोनिका बुनकर	
आरती कुमारी वर्मा	सीमा गुर्जर	नेहा गुजराती	

आमन्त्रण

प्रिय श्री,

कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट की मासिक पत्रिका ''निवाला'' एक कोशिश के लिए आप सभी पाठ्कों को हम आमन्त्रण दे रहे हैं कि अगर आप के पास कोई लघु कथा हो, प्रोत्साहित करने वाली कविता हो, कोई पोराणिक कथा हो जिसे श्रृंखला बद्ध करके पत्रिका में दी जा सके, कोई लेख हो, देश-भक्ति से जुडी कोई कहानी हो, कोई ऐसी घटना हो जो और लोगों को सम्बल प्रदान कर सके आप हमें अवश्य भेजें। अगर आप की कहानी,लेख, कथा या कविता कमेटी द्वारा चुनी जाती है तो उसे हमारी पत्रिका में अवश्य ही शामिल किया जायेगा। आप की लघु कथाओं, कहानियाँ, लेखों, कविताओं का हमें इन्तज़ार रहेगा।

धन्यवाद

कमला बाई चेरिटेबल ट्रस्ट

सुझाव

प्रिय श्री,

कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट की मासिक पत्रिका एक कोशिश निवाला आपके हाथों में है। हमने भरपूर कोशिश की है कि ट्रस्ट द्वारा किये जा रहे नि:शुल्क सेवा प्र:कल्प आपश्री तक पहुँचे और आपके सहयोग से उन ग़रीब, असहाय, लाचार और असक्षम लोगो की मदद हो जिन्हे आपके और हमारे सहारे की अत्यधिक आवश्यता है। आपश्री से भी अनुरोध है कि अगर पत्रिका से सम्बन्धित कोई सुझाव आप देना चाहते हैं तो नि:संकोच हमें लिख भेजे ताकि दिन-प्रति दिन पत्रिका ''निवाला'' एक कोशिश में सुधार होता रहे। आपके बहुमुल्य सुझावों की हमें प्रतीक्षा रहेगी।

धन्यवाद

कमला बाई चेरिटेबल ट्रस्ट

गीता सार

भाव भूमि : वैसे तो श्रीमद् भागवत गीता विषय अनेक पुस्तकें यहाँ-वहाँ उपलब्ध है और गीता कथा को खण्ड काव्य और गद्य दोनों रूप में पढ़ा गया है किंतु ये पहली श्रृंखला है जिसमें गीता के अठारह अध्यायों के मर्म को सरल भाषा में उजागर किया जाता जा रहा है। हमारी पत्रिका ''निवाला'' में आ रही ये श्रृंखला ग्रामीणांचलो के निवासीयों एवं नव साक्षरों के लिए प्रेरणा-स्त्रोत बनेगी और वे कर्म के पथ पर चल कर गंतव्य तक पहुँचेंगे ऐसा हमारा विश्वास है।

--चेतावनी--

कर्म ही करना धर्म है फल पर मत दे ध्यान। गीता का ये सार है कहें कृष्ण भगवान।।
समय अकारथ जो गया उसको मत पछतायें। अब जो कुछ बाक़ी रह गया उसका सोच उपाय।।

--पहला अध्याय--

कौरवों और पाण्डवों की लड़ाई शुरू होने वाली थी। दोनों तरफ सेना तैयार खड़ी थी। महाराज घृतराष्ट्र ने संजय से पूछा! जिसमें भगवान की दी हुई वह शक्ति थी जिससे वह हस्तिनापुर में बैठा हुआ लड़ाई का सारा हाल देख रहा था और युद्ध के लिए खड़े हुये योद्धाओं का नाम एक-एक करके महाराज घृतराष्ट्र को बतला रहा था कि.. है राजन! अब लड़ाई शुरू होने वाली है। हमारी तरफ से भीष्म पितामह ने बड़े ज़ोर से बिगुल बजाया है और उस तरफ से भीम, कृष्ण भगवान और द्रोपद आदि ने इतना ज़ोर से बिगुल बजाया कि कौरव सेना कांप उठी।

अर्जुन ने भागवान श्री कृष्ण जी से कहा कि महाराज मेरे रथ को युद्ध-भूमि के बीचों-बीच खड़ा कीजिये जिससे मैं यह देख सकुं कि कौन-कौन से योद्धा हमारी व शत्रुओं की ओर से युद्ध में जान गंवाने को आये हैं।

क्रमश :

सिंधी कैम्प पर सफ़ाई अभियान

भारत एक प्राचीन सभ्यता है। इसे एक पवित्र राष्ट्र माना जाता है, इसके लोग बहुत धार्मिक है, भारत में विभिन्न धर्मों के लोग रहते है और वे अपने धर्मों का पूरी निष्ठा से पालन करते है, लेकिन यह हमारे देश की कड़वी सच्चाई है, कि स्वच्छता और धर्म परायणता केवल धार्मिक गतिविधियों और रसोई तक ही सीमित है। हम भारतीय अपने हर तरफ की गंदगी के लिये गंभीर नहीं है, चाहे कहीं भी कोई गंदगी का ढेर पड़ा हो। अपने आस-पास के वातावरण को साफ़ और स्वच्छ रखना हमारे व्यवहार में नहीं है, ज्यादा से ज्यादा हम सिर्फ अपने घर को ही साफ़ रख पाते है लेकिन सड़क, रास्ते, पार्क या सार्वजनिक जगहों के प्रति हम कतई चिंतित नहीं है। हम सोचते है कि ये हमारा मसला ही नहीं है।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य लोगों को सफाई के लिए प्रेरित व जागरूक करना है, जिससे देश का वातावरण शुद्ध रहे और हम व हमारी आने वाली पीढ़ीयाँ स्वस्थ व सुदृढ़ बने। इसी के लिए देश के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी देश में स्वच्छता के कार्यों के बड़े समर्थक थे तथा वो अपने पूरे जीवन भर साफ़-सफ़ाई और स्वच्छता की गतिविधियों से जुडे रहे।

कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट भी उन्हीं की प्रेरण से 'स्वच्छ भारत अभियान' के तहत भारत को स्वच्छ बनाने के लक्ष्य को लेकर आगे कदम बड़ा रहा है, ट्रस्ट का संकल्प है कि भारत के किसी भी कोने में गंन्दगी ना रहे। 2 अक्टुबर, 2014 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने स्वच्छ भारत अभियान की शुरूआत की थी। कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट ने भी इस 'स्वच्छ भारत अभियान' के साथ अपने कदम मिला लिये है, जिसके अन्तर्गत प्रत्येक रविवार प्रात: 7 से 9 बजे तक सफाई अभियान चलाया जाता है जिसमें संस्था के साधक स्वेच्छा व पूरी निष्ठा से योजना में हिस्सा लेते हैं।

कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट इस मुहीम के लिए हर उस व्यक्ति को आंमत्रित करता है, जो स्वयं को व अपने परिवार को स्वस्थ रखना चाहता है। इसीलिए हमारा 'नारा' है 'स्वच्छ भारत - स्वस्थ भारत'

आप भी आगे आयें और सप्ताह में सिर्फ 2 घण्टे देकर देश की प्रगती में हाथ बटायें। उम्मीद है कि आप अपने व देश के लिए इस अभियान से जरूर जुडेंगें।

''हम बदलेंगें..., देश बदलेगा..!''

नैत्र जाँच व मोतियाबिंद ऑपरेशन

तात्कालिक सेवा प्र:कल्प

बढ़ती उम्र के साथ मोतियाबिन्द की समस्या से अधिसंख्य बन्धु कष्ट में पाये जाते है। इन बन्धुओं के मोतियाबिन्द के ऑपरेशन करवाना मानवीय संवेदना के संदर्भ में नि:तान्त आवश्यक है। ट्रस्ट तात्कालिक सेवा प्र:कल्प के रूप में मोतियाबिन्द का कष्ट झेल रहे बन्दुओं के ऑपेरशन नैत्र चिकित्सालयों में कुशल नैत्र चिकित्सकों द्वारा सम्पन्न करवाकर उन्हें राहत दिलाने की वैकल्पिक व्यवस्था ट्रस्ट प्राथमिकता के आधार पर कर रही है।

नैत्र रोग जाँच शिविर : शहर के अलग-अलग क्षैत्रों में नैत्र रोग विशेषज्ञों द्वारा मोतियाबिन्द के रोगियों की 'जाँच शिविर' आयोजित करना एवं नैत्र रोगियों का 'मोतियाबिन्द ऑपरेशन' के लिए चयन करना। ये शिविर दानदाताओं के सहयोग-सौजन्य से उनके अपने क्षैत्र में संस्थान द्वारा आयोजित किये जाते है। शिविर प्रायोजित करने में व्यय होने वाली प्रायोजन राशि शिविर स्थल की दूरी व संभावित रोगियों की संख्या के अनुरूप होगें। आप भी अपने प्रियजन की पुण्य तिथी, जन्मदिवस, वर्षगांठ, नौकरी लगने व सेवा- निवृती पर नैत्ररोग जाँच शिविर लगवा सकते है।

मोतियाबिन्द के ऑपरेशन : जाँच शिविरों में चयनित के 'मोतियाबिन्द ऑरेशन' यथासम्भव निकटवर्ती विशिष्ट सुविधायुक्त नेत्र चिकित्सालयों में संस्थान द्वारा जन-सहयोग एवम् दानदाताओं के सहयोग से सम्पन्न करवाएं जाते हैं। एक मोतियाबिन्द ऑपरेशन पर अनुमानित 2500/- रूपये व्यय होता है। दान-दाता (एकल परिवार समूह आदि) ढ़ाई हजार रूपये प्रति ऑपरेशन के अनुसार नेत्र रोगियों के 'मोतियाबिन्द ऑपरेशन' प्रायोजित कर सकतें है। आप भी अपने प्रियजन की पुण्य तिथी, जन्मदिवस, वर्षगांठ, नौकरी लगने व सेवा- निवृती पर अपनी श्रद्धानुसार कई मोतियाबिन्द ऑपरेशनों का खर्च उठा सकते है।

कृपया दान सहयोग से दृष्टि लाभ का पुण्य प्राप्त करें।

परिंडा अभियान

सुनें परिंदों की पुकार

भीषण गर्मी में सर्वत्र आसमान से आग बरसती है, हर प्राणी को तलाश रहती है पानी की, चाहे वह पशु -पक्षी हो या फिर हम इंसान। जो पंछी कभी स्वछंद गगन में विचरण करते हैं। उनके लिए आसमान छोटा नज़र आता है, पानी के अभाव में न तो अब उनकी वो उड़ान नज़र आती है और न ही कहीं सुनाई देती है, वो चहचहाहट। बस कभी नज़र आते है तो बेबसी में धरती पे गिरे किसी परिंदे के पर। ये इंसान का ही फ़र्ज है कि खुद के लिए तो यत्न करे ही साथ ही अपने आस-पास के प्राणियों खासकर पशु-पक्षीयों के लिए भी ऐसा इंतजाम करे कि कोई भी पक्षी दाना-पानी के अभाव में दम ना तोड दे। रोज़ाना की ज़िन्दगी से कुछ ना कुछ समय इन बेज़ुबानों के लिए भी निकालना चाहिये। महानगरों में लोगो को अपने घरो की छतो पर पक्षियों के लिए दाना-पानी रखना चाहिये। कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट ने पशु-पक्षियों के लिए परिंडा अभियान शुरू किया है ताकि इन मासूम पक्षियों को भूख-प्यास से दम ना तोड़ना पड़े। ट्रस्ट ने इन बेज़ुबान पक्षियों को दाना-पानी देने के कार्य को अपनी दिन चर्या में शामिल कर लिया है और नि:स्वार्थ भाव से इन मासूमों की सेवा में लगे है।

वृक्षारोपण अभियान

आज मनुष्य अपने स्वार्थ के लिए वृक्षों को काट रहा है। जिससे प्रदुषित वातावरण पर रोक लगाना असम्भव सा लग रहा है। संसाधन की होड़ में वातावरण प्रदुषित हो रहा है, साथ ही स्वार्थ के लिए मनुष्य निरन्तर वृक्षों की कटाई कर रहा है। जब की नदी, पर्वत, पेड़ व स्वच्छ हवा मानव जीवन के लिए अत्यन्त आवश्यक है। इसलिए ट्रस्ट ने स्वस्थ जीवन व प्रकृति के संरक्षण के लिए ''वृक्षा रोपण अभियान'' के अंतर्गत हर साल बारिश के पूरे मौसम में लगातार पेड़ लगाकर मानव हित में संकल्प लिया है। जिसका नारा है 'पेड़ लगाओ,जीवन बचाओ'

हम सभी सर्व-सृष्टि के कल्याण की कामना रखें तभी इस धरती पर धर्म और परोपकार का बूटा सदा हरा रह पाएगा।

निवाला सेवा आश्रम

प्रस्तावित परिसर व भूमि हेतु अनुदान

कमला बाई चेरिटेबल ट्रस्ट ने 1 दिसम्बर, 2016 को 'निवाला सेवा आश्रम' बनाने का निर्णय लिया, जिसके अन्तर्गत एक 'वृद्धाश्रम' व एक 'अनाथाश्रम' बनाना प्रस्तावित है। इस निवाला सेवाश्रम में वृद्धों व अनाथ बच्चों की पूर्णतया नि:शुल्क रहने की व्यवस्था की जावेगी। बुजुर्गों व बच्चों के इस घर में उन्हें आवास, चिकित्सा, भोजन, वस्त्र आदि सभी आधुनिक सुविधाऐं नि:शुल्क उपलब्ध कराई जायेगी एवं सम्मान के साथ अपनापन व प्यार दिया जायेगा, जिसकी उन्हे सबसे ज़्यादा ज़रूरत है।
'निवाला सेवा आश्रम' के लिए ट्रस्ट द्वारा एक 10,000 वर्ग गज का प्लॉट लेना प्रस्तावित है, जिस पर सर्व सुविधायुक्त आधुनिक वृद्धाश्रम व अनाथ आश्रम बनवाया जायेगा। इसके लिए हम आपश्री को आमंत्रित करते हैं कि आपश्री भी असहाय बुजुर्गों व बच्चों की एक आस में अपना छोटा-सा योगदान देकर सहयोगी बने और पुण्य के भागी बने, जिसके लिए ट्रस्ट हमेशा आपका आभारी रहेगा व हमेशा आप सम्मान के हकदार रहेंगे।

भूमि व परिसर हेतु सहयोग करने वाले दानताओं के नाम परिसर के मुख्य द्वार के दोनों और स्वर्णाक्षरों में अंकित किए जाएगें और भूमि पूजन के समय आप सभी को निमंत्रित कर आपका सम्मान किया जायेगा।

सेवा रत्न : 5,00,000/- भूमि सेवा मनीषी : 1,00,000/-
भूमि सेवा भूषण : 51,000/-

भूमि दानदाताओं की सूची

भूमि सेवा रत्न	भूमि सेवा मनीषी	भूमि सेवा भूषण
श्री देवेन्द्र जी शर्मा	श्री सुरेन्द्र जी हली	श्री सुनिल जी जाँगिड़

निवाला सेवाश्रम का भूमि-पूजन दशहरे के पावन पर्व (2017) पर अपेक्षित है

भगवान में विश्वास

एक आदमी दुनिया का सबसे ऊँचा पहाड़ चढ़ना चाहता था, लेकिन कई सालों की तैयारी के बाद। एक दिन उसने अकेले जाने का फैसला किया क्योंकि उसे सफलता का यश अकेले प्राप्त करना था और अब उसने पहाड पर अकेले चढ़ना शुरू कर दिया था। ठण्ड बहुत तेज थी, रात हो चुकी थी, काफ़ी अंधेरा था, कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था, लेकिन वो फिर भी चढ़ाई करना चाहता था। उसने ऊँचाई कि चढ़ाई जारी रखी बजाय कहीं एक पडाव लेने के। एकदम अचानक उसका पैर फिसल गया और उसका नियंत्रण बिगड़ने लगा। ये एक निर्बाध गिरावट थी, उस समय उसने गुरूत्वाकर्षण के बल को महसुस किया था। उस भयानक डर के पलों ने उसे उसकी पूरी ज़िन्दगी दिखा थी। अब वो सारे काम जो उसने अपनी ज़िन्दगी में किये थे, अच्छे और बुरे सभी पल अब उसकी आँखों के सामने थे। उसने मौत को बड़े क़रीब से महसुस किया था, तभी अचानक उसने एक कठोर खिचाव महसुस किया उस रस्सी में जो उसकी कलाई में बंधी थी, उसका शरीर लटका हुआ था बस एक रस्सी के बलबुते पे। वो रो रहा था, ज़ोर-ज़ोर से चीख़ रहा था ''भगवान मुझे बचा लो, मेरी मदद करो'' तभी एक चमत्कार होता है और बादलों में से एक आवाज़ आती है ''तुम मुझसे क्या चाहते हो ?'' आदमी चिल्लाता है,''भगवान मुझे बचा लो''तभी आवाज़ कहती है, ''क्या तुम वो करोगे जैसा में कहुँगा ?''तभी आदमी चिल्लाकर कहता है''जी हाँ कुछ भी करूँगा प्लीज मुझे बचा लो''। आवाज़ कहती है''तुम्हारी कमर पे जो रस्सी बँधी है उसे काट दो'' पर आदमी ने ऐसा नहीं किया और अपनी पूरी ताकत के साथ उस रस्सी को कसके पकड के रखा। अगले दिन सुबह बचाव दल जब पहुँचा, तब तक वो आदमी मर चुका था और जिस रस्सी से वो लटका था वो रस्सी जम चुकी थी। जब बचाव दल ने उसे उतारा तो वो ज़मीन से सिर्फ़ छः फीट उपर था।

''हमें भगवान के न्याय में विश्वास रखना चाहिए''

पपी

ये कहानी है एक लडके की, जो कि एक पपी खरीदने के लिए एक पालतु जानवरों की दुकान में जाता है यहाँ पर चार पपी एक साथ बैठे थे और सभी की कीमत 550/-रू थी। वहीं एक पपी कौने मे अकेला बैठा था। लडके ने देखा और पूछा कि वो पपी भी बिकाऊ है..? तो वो अकेला क्यूँ बैठा है? दुकान मालिक ने जवाब दिया ये एक अपाहिज पपी है और ये बिकाऊ नहीं है।

लडके ने पूछा ''इसमें क्या ख़राबी है..?'' तो दुकान मालिक ने जवाब दिया इस पपी का एक 'हिप सोकेट' नहीं है, इसका एक पैर गायब है। फिर लडके ने पूछा ''तुम इस पपी के साथ क्या करोगे?'' दुकानदार के पास जवाब कुछ नहीं था, दुकानदार ख़ामोश था। लडके ने पूछा क्या वो इस पपी के साथ खेल सकता है? दुकानदार ने कहा हाँ क्यूं नहीं। उस लडके ने जैसे ही उसे अपनी गोद में लिया तो उस पपी ने उसे गले लगा लिया और उसके कंधे पर अपने सिर को सहलाने लगा। लडके ने तुरंत फैसला कर लिया, कि यही वो पपी है जिसे वो ख़रीदना चाहता है। लेकिन दुकानदार ने कहा कि ये बिकाऊ नहीं है। लडके ने काफ़ी ज़ोर दिया और उस दुकानदार को मनाने लगा। आखिरकार दुकानदार मान गया उसने हाँ कह दिया। उस लडके ने 20/-रू अपनी जेब से निकाले और बाकी के रूपये लेने घर अपनी माँ के पास भाग के गया। जैसे ही वो दुकान के गेट पर बाकी के पैसे लेकर पहुचाँ तो दुकानदार उस पर जोर से चिल्ला के बोला ''लडके मुझे समझ में नहीं आता कि तुम इस पपी के लिए पूरे रूपये क्यूँ दे रहे हो? जबकी तुम इतने ही रूपये में एक अच्छा पपी खरीद सकते हो''लडके ने एक शब्द नहीं कहा। उसने बस अपनी बाई तरफ की पेन्ट को ऊपर किया और दुकानदार को दिखाया उसके बांई तरफ के पैर में एक लकडी और एल्युमिनियम का सपोर्ट उसके पैर के चारों तरफ बंधा हुआ था। दुकानदार शर्मिन्दा और ख़ामोश था, दुकानदार ने कहा मैं समझ सकता हूँ, तुम इस पपी को अपने साथ ले जाओ।

दान सहयोग के लिए आपके प्रति आभार

संरक्षक

श्रीमान
बांके बिहारी जी शर्मा

श्रीमान
कैलाश जी अग्रवाल

श्रीमान
सुरेश जी पिलवाल

श्रीमान
ओम प्रकाश जी अग्रवाल

श्रीमान
करण जी शर्मा

श्रीमान
शंकर लाल जी शर्मा

कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट आप सभी भामाशाहों का तहेदिल से आभारी है

श्रीमान बच्चु लाल जी सैनी

श्रीमान रमेश जी जाँगिड़

श्रीमान देवेन्द्र जी खन्ना

श्रीमान नेमीचन्द जी जैन

श्रीमान संदीप सिंह जी

श्रीमान श्रवण जी जाँगिड़

श्रीमान जगदीश जी बागड़ा

श्रीमान विनोद जी गोयल

श्रीमान अनिल जी जाँगिड़

श्रीमान पंकज खदरिया

श्रीमान रामलाल चौधरी

श्रीमान योगेश जी मंत्री

ट्रस्ट के सहयोगी हाथ

भँवर लाल जी
बिंदेश शर्मा जी
सी.आर. शर्मा जी
छगन लाल जी
दातार सिंह जी
दुर्गा सहाय नाटाणी जी
गणेश चन्द शर्मा जी
गर्वीत पारीक जी
घनश्याम जाँगिड़ जी
गिर्राज शर्मा जी
गोकुल चंद शर्मा जी
गौरी शंकर जी
गोविंद नारायण नाटाणी जी
गुलाब चंद सोमाणी जी
हरिओम नाटाणी जी
जयराम शर्मा जी
जितेन्द्र सिंह जी
जेकेजे ज्वेलर्स, वैशाली नगर
के. के. जैन जी
के. आर. महेश्वरी जी
कमल शर्मा जी
कमल देव बोहरा जी
कर्मानन्द जी
महेन्द्र चौधरी जी
महेश चंद गुप्ता जी
महिपाल सिंह जी
मनोज कुमार सैन जी
मोहन लाल शर्मा जी
नटवर लाल शर्मा जी
संजय अग्रवाल जी
संजय शर्मा जी
संतोष राजोरिया जी
संतरा देवी जी
विरेन्द्र यादव
शरद गुप्ता जी
शिवपाल सिंह जी
श्रीराम अग्रवाल जी
श्रीमती गुरूदास सारीजा जी
सुमित अग्रवाल जी
सुशील जैन जी
स्वतन्त्र कुमार मित्तल जी
श्याम कुमार गुली जी
त्रिलोक पारीक जी
उमराव जैन जी
उर्वशी शर्मा
अविनाश चौधरी जी
अजय शेखावत जी
अमित शर्मा जी
अनिल गागोदीया जी
अशोक अग्रवाल जी
बाबुलाल जी
वीणा जी कानुन गो
विजय कुमार गुप्ता जी
विजेन्द्र सिंह जी
विनोद गोयल जी
विष्णु स्वरूप शर्मा जी
योगेश जी मंत्री
नवल किशोर जी
नितिन गोगीया जी
ओमप्रकाश शर्मा जी
पद्म जी ढ़ाका
पंकज गुप्ता जी
पंकज खरोदीया जी
परमानंद जी
पवन कुमार भार्गव जी
प्रभु दयाल जी
प्रभाती लाल शर्मा
प्रहलाद राय जी
आर. के. अग्रवाल जी
राहुल मंगला जी
राजेन्द्र जी
राजेन्द्र कुमार गुप्ता जी
रामअवतार शर्मा जी
रमेश कुमार जी
रामेश्वरी देवी
रविन्द्र लाल जी (आस्ट्रेलिया)
ऋषभ जी
रोहित अग्रवाल जी
रोहित कोहली जी

ट्रस्ट के सहयोगी हाथ

अमित राय जी
शंकर जी पारीक
दीपेश जी जाँगिड़
आशीष जी जाँगिड़
सोनू गोस्वामी जी
नितिन जी जाँगिड़
नीरज जी जाँगिड़
मुकूट बिहारी जी जाँगिड़
पृथ्वी सिंह जी
राहुल सिंह जी
दिलिप जी जाँगिड़
देवकीनन्दन जी जाँगिड़
धर्मेन्द्र जी जाँगिड़
रगंपाल सिंह जी
पिन्टू जी मीणा
उदयसिंह जी सैनी
मुकेश जी रिणवा
रमेश कुमार जी
सतपाल जी शर्मा
पं. कुलदीप जी गौड़
रमाकांत जी शर्मा
भवानी सिंह जी शेखावत
मनोज जी जाँगिड़
आर. वेंकटेश जी
जितेन्द्र जी विजय
गोविन्द सिंह जी
आनन्द जी तिवारी
विष्णुपुरी जी
किशनपुर जी
घनश्याम जी महावर
विवेक जी चौधरी
बल्लभ जी अग्रवाल
मोनू जी शर्मा

गजानन्द जी जाँगिड
विनोद जी जाँगिड़
जितेन्द्र जी परिहार
सत्यनारायण जी शर्मा
धनराज जी दाधीच
अनील जी जैन
प्रवीण पुरी
पंकज सिनसिनवार
अरूण सेठी
ज़हीर शैख जी
प्रमोद जी चौहान
राजेन्द्र सिंह जी शेखावत
हिमांशु जी जाँगिड़
जितेन्द्र विजय जी
राजू जी शेखावत
हरलाल जी सामोता
अशोक जी सामोता
अजय जी चौधरी
मुकेश जी ढ़ाका
मोहित जी शर्मा
पप्पू जी चौधरी
मोहनलाल जी शर्मा
विजय जी पंत
मुलचन्द जी कुमावत
अनूज जी खण्डेलवाल
गौवर्धन जी कुमावत
जितेन्द्र जी शर्मा
बृजराज सिंह जी
बृजराज जी गौतम
नरेन्द्र जी शर्मा
सूरज जी चौपड़ा
कुल्दीप जी शर्मा
रंगेश जी शर्मा

राजू जी कुमावत
राजू जी जाँगिड़
मनमोहन जी खण्डेलवाल
एस.एस. राठौड़ जी
डॉ. मुकेश जी जाँगिड़
राकेश जी शर्मा
तेजाराम जी सुथार
श्याम जी जाख़ड
राकेश जी शर्मा
मनीष जी जैन
रोहित जी जैन
अविनाश जी चौधरी
अमित जी जैन
शम्भू जी
सिद्धार्थ जी
हुकमचन्द जी
रावत जी
संदीप जी शेखावत
रामवतार जी जाँगिड़
प्रदीप जी यादव
मनोज जी कुमावत
अशोक स्वामी जी
गौतम जी वर्मा
चावंडराम जी मीणा
आदित्य जी नाथावत
अल्ताफ हुसैन जी
सलीम खान जी
शैलेन्द्र सिंह जी
सुमित जी गोयल
नरेन्द्र कुमार जी शर्मा
हीरालाल जी जाँगिड़
अशोक जी जाँगिड़
मुकेश जी जाँगिड़

संजय जी शर्मा
गयाप्रसाद जी जाँगिड़
दिनेश जी जाँगिड़
भगवान जी जाँगिड़
राजेश जी जैन
पवन जी शर्मा
यूनूस खान जी
मानव रंकावत जी
विनोद जी जाँगिड़
दीपक जी शर्मा
दीपक जी जाँगिड़
देवेन्द्र जी कुमावत
अंकुर जी जैन
अमरचन्द जी जाँगिड़
राजकुमार जी जाँगिड़
योगेश जी जाँगिड़
रतनसिंह जी जाँगिड़
दीपक जी शर्मा
जितेन्द्र जी कटारिया
सतीश जी कटारिया
राजकुमार जी शर्मा
राजकुमार जी वर्मा
दिनेश जी वर्मा
राजपाल जी जाँगिड़
लोकेश जी जाँगिड़
प्रदीप जी शर्मा

श्री श्री 1008
श्री चैतनदास जी महाराज
(यज्ञ सम्राट)
के पावन सानिध्य में

देवेन्द्र शर्मा (संस्थापक)

सन्तोष शर्मा (अध्यक्ष)	सुरेन्द्र शर्मा (मुख्य अधिकारी एवं कोषाध्यक्ष)	मदन चौधरी (सचिव)
सुनिल जाँगिड (उप सचिव)	नरेन्द्र जोशी (उपाध्यक्ष)	वरूण शर्मा (प्रचार प्रसार मंत्री)
इन्द्रजीत शर्मा (सांस्कृतिक सचिव एवं पत्रकार)	सुनील माथुर (लेखक, निर्देशक)	विवेक चौधरी (संपादक)
नितिन जाँगिड (एन्कर)	कमलराज जाँगिड (प्रचार प्रसार सहायक)	पिंकी वर्मा (कॉल सेन्टर)
आशीष पारीक प्रभारी (कम्यूनिकेशन)	घनश्याम महावर, हिमांशु जाँगिड़ (ग्राफ़िक डिज़ाईनर)	सत्यपाल ओझा (भोजन संस्थापक)
नरेन्द्र शर्मा प्रभारी (निवाला)	अनिल जाँगिड प्रभारी (सँवारे बचपन)	

आप श्री से सहयोग की अपेक्षा

।। जय श्री कृष्णा ।।

पुष्पप्रद निवेदन अनुरोध

संस्थान के सभी, पुण्यशील एवं दानवीर भामाशाहों और करुण हृदय हितेषियों को सुचित करते हुए प्रसन्नता है की कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट निम्नलिखित योजनाओं के माध्यम से मानव सेवा में समर्पण के साथ एक कोशिश कर रहा है ट्रस्ट इन कोशिशों को आगे बढ़ाने में प्रयासरत है और ये तभी संभव है जब आप श्री भी आगे बढ़कर संस्थान का हाथ थाम लें।

" प्रयास हमारा सहयोग आप सभी का "

निवाला एक कोशिश

100 लोगों के लिए भोजन सहयोग		
1	1 साल	रु. 7,21,000/-
2	6 महिने	रु. 3,61,000/-
3	1 महिने	रु. 61,000/-
4	1 दिन	रु. 2100/-

सँवारे बचपन बेटी बचाओ. बेटी पढाओ

एक साल के लिए बालिका सहयोग		
1	10 बालिकाऐं	रु. 1,20,000/-
2	5 बालिकाऐं	रु. 60,000/-
3	2 बालिकाऐं	रु. 24,000/-
4	1 बालिका	रु. 12,000/-

नैत्र शिविर

जाँच शिविर सहयोग		
1	12 शिविर	रु. 3,51,000/-
2	6 शिविर	रु. 1,81,000/-
3	3 शिविर	रु. 91,000/-
4	1 शिविर	रु. 31,000/-

नैत्र चिकित्सा

मोतियाबिंद ऑपरेशन सहयोग		
1	100 ऑपरेशन	रु. 3,00,000/-
2	50 ऑपरेशन	रु. 1,50,000/-
3	10 ऑपरेशन	रु. 30,000/-
4	1 ऑपरेशन	रु. 3000/-

निवाला वृद्धाश्रम / अनाथ आश्रम

भूमि व परिसर हेतु अनुदान		
1	भूमि सेवा रतन	रु. 11,51,000/-
2	भूमि सेवा मनीषी	रु. 5,51,000/-
3	भूमि सेवा भूषण	रु. 1,11,000/-
4	भूमि सेवा दानी	रु. 51,000/-

सदस्यता

सदस्यता शुल्क		
1	आजीवन सदस्य	रु. 31,000/-
2	वार्षिक सदस्य	रु. 11,000/-
3	मासिक सदस्य	रु. 1000/-
4	वार्षिक निवाला साधक	रु. 1100/-

कृपया सहयोग करें

HDFC A/C No. - 50200020477561 RTGS/NEFT/IFSC:HDFC0000554

आपश्री अपना दान सहयोग संस्थान के उपयुक्त बैंक खाते में सीधे जमा करवाकर Pay In Slip तथा अपना पूरा पता भेजकर सीधे सुचित कर सकते है, जिससे दान प्राप्ती रसीद आपको भेजी जा सके।

आपश्री निम्न तरीकों से भी अपना सहयोग दे सकते हैं।

VISA CARD - www.kbctindia.org
CREDIT CARD - www.kbctindia.org
DEBIT CARD - www.kbctindia.org

WALLETS ACCEPTED

Paytm - 7231-8888-11, 7231-8888-33

कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट

रोज करीब 100 असहाय लोगों को एक संस्था करा रही निशुल्क भोजन

ताकि कोई भूखा न रहे और जरूरतमंद तक पहुंचे निवाला

...SOCIAL STAND

कहां से हुई शुरुआत

फैक्ट फाइल

ये पदाधिकारी शामिल

बालिकाओं को लिया गोद

हर हफ्ते सफाई अभियान

HEAR HERE / 2

public POLL

भूखे को निवाला, बच्चे को पाठशाला, जरूरतमंद को मदद

COMMUNITY CONNECTION

कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा चिकित्सा शिविर का आयोजन

15 के होंगे ऑपरेशन

सांसद और पार्षद ने बांधे परिंडे

निःशुल्क चिकित्सा शिविर

नि:शुल्क नेत्र शिविर का 200 लोगों ने उठाया लाभ

कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट ने किया पुरस्कृत

श्री मुन्ना लाल जी अजमेरा

स्वर्गवास 22-01-2017

आपका जीवन, कठिन परिश्रम, मिलनसारिता एवं समाज के प्रति समर्पण की भावना हमारे लिए आदर्श एवं अनुकरणीय है, आपकी यादें हमारे दिल में सदैव बनी रहेगी।
''निवाला'' परिवार अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

याद में

आपका परिवार

श्रीमती उमराव देवी अजमेरा

स्वर्गवास 24-09-2016

आपको अश्रुरित नैनों से ''निवाला'' परिवार श्रृद्धांजलि अर्पित करते हैं।
आपकी पावन स्मृति व मधुर व्यवहार हमारे
लिये सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा।

याद में

आपका परिवार

पत्रिका सहयोगी

Arham's

A Brand of Quality Products Inks, Flex, Standy & All Kinds

H.No. 2448, Telipara, Chaura Rasta, Jaipur (Raj.)
Ph. : 9351116747, 9784101126, 9351555113
E-mail : sourabh_ink@yahoo.com

Commitment for Safety...
MILANPOWER®
IS:694
CM/L-8615885
MULTISTRAND CABLES
An ISO 9001 : 2000 CERTIFIED COMPANY
Website : www.milancables.com
Modular Box
Cooler Pump
Conduit Pipe
PVC Tape Roll
AGARWAL ELECTRO POWER PVT. LTD.
B-13, Bharat Apartment, New Colony, M.I. Road, Jaipur | Ph.: 0141-2379538, 0141-4003819

Pankaj
91-9460752565
Naresh
91-9413378925
JEEN MATA PLYWOODS
PLY
MICA
BOARD
ALUMINUM
L-2 Heera Nagar, Behind Karni Vihar Thana, 200 Ft. Byepass, Jaipur
E-mail : khadrianaresh@gmail.com

एक सुप्रसिद्ध व्यक्ति की कहानी

बांके बिहारी शर्मा

श्री बांके बिहारी जी का जन्म दिल्ली में हुआ। बचपन में पिताजी और कुछ समय में ही माता जी ने भी उनका साथ छोड़ दिया। इस दुनिया में आपश्री बिल्कुल अकेले रह गये। छोटी-सी उम्र होने के बावज़ूद आपने हिम्मत नहीं हारी और छोटे-मोटे काम करते हुऐ अपनी पढ़ाई भी जारी रखी। बांके बिहारी जी का कहना है कि कभी भी कोई काम किया जाये तो उसमें छोटा या बड़ा नहीं देखना चाहिऐ। इसी सोच के साथ शर्मा जी ने अपना छोटा-सा काम शुरू किया, जिसमें उन्हें दो हज़ार रूपये बचे थे। शर्मा जी सुबह चार बजे उठकर और रात को काम खत्म करके ही दम लेते थे, चाहे रात के बारह ही क्यूं ना बज जाये। इस काम को करने के लिए उन्हें पूरा एक महिना लगा था। शर्मा जी जब भी कोई काम करते है तो पूरी लगन से, मेहनत से, सही रणनीति से करते है। शर्मा जी का ऐसा मानना है कि आज के युवा पहले से अधिक मेहनती है, अच्छी टेक्नोलॉजी है, अधिक पैसा कमाना चाहते है, लेकिन वो सही दिशा में काम नहीं कर रहें है। उनका सोचना है कि किसी व्यक्ति की निरंतरता ही उसकी सफलता का राज़ है।

मैं समाज सेवा के बारे में कुछ बताना चाहता हूँ

समाज सेवा हर व्यक्ति की ड्यूटी है। मेरा मन तो बचपन से ही समाज सेवा में था लेकिन उस वक्त मैं समर्थ नहीं था। मेरे पास या किसी भी व्यक्ति के पास जितना धन है और जितना उसके प्रयोग में आ रहा है उतना रख कर बाकी बचा हुआ उन व्यक्तियों की सेवा में लगाये, जिनको उसकी ज़्यादा ज़रूरत है। मेरे शब्दों में ये ही समाज सेवा है। एक बात और ये जो सड़क, बस स्टेन्ड, रेलवे स्टेशन पर बच्चे भीख़ मांगते है, उन बच्चों के लिए कोई ऐसा प्रयास करना चाहिये, जिससे वे भीख़ ना माँगकर बड़े ही शान व गर्व से जीवन व्यतीत करें और समाज के गौरव का हिस्सा बने।

कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट की ''निवाला'' बहुत ही कारगर व बेहतरीन योजना है। पुराणों में भी कहा गया है कि भूख़े को भोजन करवाने से पुण्य प्राप्त होता है। एस.एम.एस. हॉस्पिटल में असहाय मरीजों को आप भोजन करवा रहें है, कितनी बड़ी बात है। मैं तो सभी से निवेदन करूँगा की आप सभी लोग इस योजना से जुडे। दूसरी योजना है ''सँवारे बचपन'' ये भी बड़ी प्रभावशाली है। इस योजना के अन्तर्गत मैंने दो बच्चीयों को गोद लिया हुआ है। इसके साथ-साथ मैंने और भी कई बच्चीयों को गोद लिया हुआ है। उन बच्चीयों को मैं खुद की बेटीयों से भी अधिक प्यार करता हूँ और हर सुविधा सबसे पहले उन्हें उपलब्ध करवाता हूँ ताकि उनको ये ना लगे की हमारे मॉ-बाप नहीं है। मैं उनको ये महसूस ही नहीं होने देता।

कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट अकेला कुछ नहीं कर सकता, ट्रस्ट को आप सभी के सहयोग की ज़रूरत है और वो भी दिल से, हर व्यक्ति के सहयोग से, हम समाज को एक नई दिशा दे सकते है।

सँवारे बचपन
आप और हम मिलकर
थाम लें देश की बेटियों का हाथ और सँवारे
उनका बचपन
Care *** Education *** Support *** Love *** Help *** Hope ***
कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट
नई राह - नई दृष्टि..!, ज्ञान वही - वही सृष्टि..!!
बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ प्रयास हमारा सहयोग आपका

Reg.No. : IN-DL371430966795700

सहयोग विवरण

सेवामें
श्री देवेन्द्र शर्मा (मैनेजिंग ट्रस्टी एंव संस्थापक)
कमला बाई चेरिटेबल ट्रस्ट

दिनांक.....

आदरणीय महोदय

मैं ..... पिता / पत्नी .....

निवासी .....

फोन ..... मोबाइल .....ई-मेल .....

जन्म तिथि ..... व्यवसाय .....

संस्थान द्वारा चलाये जा रहे मुहिम..... हेतु सहयोग राशि ..... नगद / चेक / ड्राफ्ट संख्या .....

बैंक का नाम ..... द्वारा प्रेषित करता हूँ।

निवेदन : कृपया अपना दान-सहयोग 'कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट' जयपुर के पक्ष में देय नकद/चैक/ड्राफ्ट/RTGS/NEFT/CARD/WALLET द्वारा किये गये भुगतान का विवरण संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें ताकि दान-सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

हस्ताक्षर